मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BHDC-104

बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी
(बी. ए. एच. डी. एच.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2023
बी.एच.डी.सी.-104 : आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***पहला*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 12×3=36

(क) नैना वह छवि नाहिन भूलै।

दया भरी चहुँ दिसि की चितवनि नैन कमल दल फूले।
वह आवनि वह हंसनि छबीली वह मुस्कानि चित चोरै।
वह बतरानि मुरलि हरि की वह देखन चहुँ कोरे।
वह धीरी गति कमल फिरावन कर लै गायन पाछै।
वह बीरी मुख वेनु बजावति पीत पिछौरी काछे।

पर बस भए फिरत है नैना एक छन टरत न टारे।

'हरीचंद' ऐसी छवि निरखत तन मन धन सब हारे।

(ख) गए, लौट भी वे आयेंगे,

कुछ अपूर्व अनुपम लायेंगे,

रोते प्राण उन्हें पायेंगे,

पर क्या गाते-गाते ?

सखि वे मुझसे कहकर जाते।

(ग) बीती विभावरी जाग री

अम्बर पनघट में डुबो रही-

तारा-घट ऊषा नागरी।

खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा,

किसलय का अंचल डोल रहा,

लो यह लतिका भी भर लाई-

मधु मुकुल नवल रस गागरी।

(घ) देखते देखा मुझे तो एक बार

उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार,

देखकर कोई नहीं

देखा मुझे उस दृष्टि से

जो मार खा रोई नहीं।

(ङ) और होंगे चरण हारे,

और हैं जो लौटते, दे शूल को संकल्प सारे,

दुखव्रती निर्माण उन्मद,

वह अमरता नापते पद,

बाँध देंगे अंक-संसृति

से तिमिर में स्वर्ण बेला।

2. भारतेन्दु के काव्य की प्राचीन प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए। 16

3. द्विवेदी युगीन साहित्यिक प्रवृत्तियों की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 16

4. मैथिलीशरण गुप्त की कविता में अभिव्यक्त नारी सम्मान की भावना को स्पष्ट कीजिए। 16

5. छायावाद के महत्व को निरूपित कीजिए। 16

6. एक कवि के रूप में जयशंकर प्रसाद का मूल्यांकन कीजिए। 16

7. निराला की काव्य-संवेदना की व्यापकता को रेखांकित कीजिए। 16

8. महादेवी वर्मा के काव्य का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए। 16

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 8×2=16

(क) सुमित्रानंदन पंत का प्रकृति-चित्रण

(ख) रामनरेश त्रिपाठी का व्यक्तित्व-कृतित्व

(ग) प्रिय प्रवास

(घ) भारतीय नवजागरण